संरक्षण शास्त्र

(कार्यपुस्तिका)

नौवीं कक्षा

शासन निर्णय क्रमांक : अभ्यास-२११६/(प्र.क्र.४३/१६)एसडी-४ दिनांक २५.४.२०१६ के अनुसार समन्वय समिति का गठन किया गया। दि.३.३.२०१७ को हुई इस समिति की बैठक में यह कार्यपुस्तिका निर्धारित करने हेतु मान्यता प्रदान की गई।

संरक्षण शास्त्र

(कार्यपुस्तिका)

नौवीं कक्षा

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे - ४११ ००४

JAAVQF

आपके स्मार्टफोन में 'DIKSHA App' द्वारा, पुस्तक के प्रथम पृष्ठ पर Q.R.Code के माध्यम से डिजिटल पाठ्यपुस्तक एवं प्रत्येक पाठ में अंतर्निहित Q.R.Code में अध्ययन अध्यापन के लिए पाठ से संबंधित उपयुक्त दृक्-श्राव्य सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी ।

प्रथमावृत्ति : २०१७
दूसरा पुनर्मुद्रण : २०१९

© **महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे – ४११००४**
इस पुस्तक का सर्वाधिकार महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ के अधीन सुरक्षित है। इस पुस्तक का कोई भी भाग महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ के संचालक की लिखित अनुमति के बिना प्रकाशित नहीं किया जा सकता।

मुख्य समन्वयक
श्रीमती प्राची रविंद्र साठे

संरक्षण शास्त्र समिति
प्रा. डॉ. श्रीकांत परांजपे, अध्यक्ष
ब्रिगेडियर एस जी. गोखले (निवृत्त), सदस्य
कर्नल डॉ. प्रमोदन मराठे (निवृत्त), सदस्य
डॉ. विजय जाधव, सदस्य
डॉ. शांताराम बडगुजर, सदस्य
डॉ. अजयकुमार लोळगे, पुणे (सदस्य सचिव)

निमंत्रित
श्री वैजनाथ काळे

भाषांतरकार
सौ. वृंदा कुलकर्णी
डॉ. माया जाधव

समीक्षण
डॉ. शुभदा मोघे
श्रीमती मंजुला त्रिपाठी मिश्रा

विषयतज्ञ
श्री रामहित यादव
प्रा. मैनोद्दीन मुल्ला

भाषांतर संयोजन
डॉ. अलका पोतदार
विशेषाधिकारी हिंदी

संयोजन सहायक
सौ. संध्या वि. उपासनी
विषय सहायक हिंदी

मुखपृष्ठ एवं सजावट
श्री रमेश रामचंद्र माळगे

संयोजक
डॉ. अजयकुमार लोळगे
विशेषाधिकारी कार्यानुभव व
प्र. विशेषाधिकारी आरोग्य व शारीरिक शिक्षण
पाठ्यपुस्तक मंडळ पुणे

मानचित्र
श्री रविकिरण जाधव, पाठ्यपुस्तक मंडळ, पुणे

अक्षरांकन : रूना ग्राफिक्स, पुणे

निर्मिति : श्री सच्चितानंद आफळे,
मुख्य निर्मिति अधिकारी
श्री विनोद गावडे, निर्मिति अधिकारी
श्रीमती मिताली शितप,
सहायक निर्मिति अधिकारी

कागज : ७० जी.एस.एम. क्रीमवोव्ह

मुद्रणादेश : एन्/पिबी/२०१९-२०/(१२,०००)

मुद्रक : साहील प्रिंट आर्टस्, ठाणे

प्रकाशक
विवेक उत्तम गोसावी
नियंत्रक,
पाठ्यपुस्तक निर्मिती मंडळ,
प्रभादेवी, मुंबई-२५

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक **संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य** बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय,**
विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म
और उपासना की **स्वतंत्रता,**
प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**

प्राप्त कराने के लिए,
तथा उन सब में

व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता
और अखंडता सुनिश्चित करने वाली **बंधुता**

बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) **को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं ।**

राष्ट्रगीत

जनगणमन – अधिनायक जय हे
भारत – भाग्यविधाता ।
पंजाब, सिंधु, गुजरात, मराठा,
द्राविड, उत्कल, बंग,
विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा,
उच्छल जलधितरंग,
तव शुभ नामे जागे, तव शुभ आशिस मागे,
गाहे तव जयगाथा,
जनगण मंगलदायक जय हे,
भारत – भाग्यविधाता ।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय, जय हे ।।

प्रतिज्ञा

भारत मेरा देश है । सभी भारतीय मेरे भाई–बहन हैं ।

मुझे अपने देश से प्यार है । अपने देश की समृद्ध तथा विविधताओं से विभूषित परंपराओं पर मुझे गर्व है ।

मैं हमेशा प्रयत्न करूँगा/करूँगी कि उन परंपराओं का सफल अनुयायी बनने की क्षमता मुझे प्राप्त हो ।

मैं अपने माता–पिता, गुरुजनों और बड़ों का सम्मान करूँगा/करूँगी और हर एक से सौजन्यपूर्ण व्यवहार करूँगा/करूँगी ।

मैं प्रतिज्ञा करता/करती हूँ कि मैं अपने देश और अपने देशवासियों के प्रति निष्ठा रखूँगा/रखूँगी । उनकी भलाई और समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है ।

प्रस्तावना

विद्‌यार्थी मित्रो,

आप सभी का नौवीं कक्षा में स्वागत है । 'संरक्षण शास्त्र' की कार्यपुस्तिका आपके हाथों में सौंपते हुए विशेष आनंद हो रहा है ।

इस पुस्तिका में भारतीय सेना तथा अद्‌र्ध सेना बल की संक्षेप में जानकारी दी गई है । ऐसा विश्वास है कि आप इस विषय से वैश्वीकरण की २१ वीं सदी में आवश्यक संरक्षण शास्त्र की जानकारी ग्रहण करने तथा संरक्षणशास्त्र क्षेत्र में उपलब्ध करियर के सफल मार्गक्रमण के लिए आवश्यक मार्गदर्शन पा सकते हैं ।

आप जानते हैं कि संरक्षण शास्त्र का महत्त्व असाधारण है । संरक्षण शास्त्र कार्यपुस्तिका का मूलभूत उद्‌देश्य आप में राष्ट्रीय सुरक्षा, राष्ट्रहित, देशप्रेम इन जीवन मूल्यों को पोषित करना है । आप इस विषय का अध्ययन चर्चा, क्षेत्रभेंट, साक्षात्कार, भूमिका अभिनय जैसी विभिन्न कृतियों द्‌वारा करने वाले हैं । आपको ये सभी उपक्रम करने ही हैं । इन उपक्रमों द्‌वारा आपकी विचार प्रक्रिया को गति प्राप्त हो सकती है । चर्चा करते समय प्राप्त मुद्‌दे तथा जानकारी लिखने के लिए पुस्तिका में पर्याप्त जगह दी है । साथ-ही-साथ आवश्यकता होने पर अपने शिक्षक, अभिभावक तथा सहपाठियों की सहायता लीजिए ।

आज के इस प्रौद्‌योगिकी के गतिमान युग में संगणक, स्मार्ट फोन से आप परिचित हैं । कार्यपुस्तिका के जरिये अध्ययन करते समय सूचना प्रसारण एवं प्रौद्‌योगिक साधनों का प्रयोग कीजिए । इससे आपका अध्ययन सुचारु रूप से होगा ।

कार्यपुस्तिका पढ़ते समय, अध्ययन करते समय, समझते समय आने वाली कठिनाइयाँ, उपस्थित प्रश्न हमें अवश्य बताएँ ।

आपको अपने शैक्षिक विकास के लिए हार्दिक शुभेच्छा !

(डॉ. सुनिल बा. मगर)
संचालक
महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व
अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे

पुणे
दिनांक : २८ अप्रैल २०१७, अक्षय तृतीया
भारतीय सौर दिनांक : ८ वैशाख १९३९

संरक्षण शास्त्र (Defence Studies)

अध्ययन-अध्यापन और उपक्रम संबंधी दृष्टिकोण

संरक्षण शास्त्र विषय का मुख्य उद्‌देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा है। राष्ट्रीय सुरक्षा की यह संकल्पना देश के सामने होने वाली बाह्य तथा आंतरिक समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करती है। आज राष्ट्रीय सुरक्षा की संकल्पना की व्याप्ति केवल सीमा रक्षा तक सीमित नहीं है। उसमें राजकीय, आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक समस्याओं का भी समावेश किया जाता है। इस विषय से विद्‌यार्थियों में राष्ट्रीय सुरक्षा, राष्ट्रहित, देशप्रेम के मूल्य पोषित हों; यही हेतु है। भविष्य में इस विषय में करियर करने की दृष्टि से इस विषय की उपयोगिता है। कक्षा नौवीं की 'संरक्षणशास्त्र' पुस्तक में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा विषयक समस्याओं पर ध्यान केंद्रित किया है। उसमें प्रमुख रूप से राष्ट्रीय सुरक्षा की संकल्पना और भारतीय सैनिकी तथा अद्‌र्ध सैनिकी बल की जानकारी दी है।

कक्षा दसवीं में आप आपत्ति व्यवस्थापन और भारत के सामने होने वाली आंतरिक चुनौतियों का अध्ययन करने वाले हैं। इस पुस्तक को विद्‌यार्थी कार्यपुस्तिका के रूप में उपयोग में लाएँगे। इसके आशय को पढ़कर उसके संबंध में गुट में, कक्षा में, शिक्षकों के साथ, उसी प्रकार विषय तज्ञों से चर्चा करके कुछ क्षेत्रभेंट, साक्षात्कार की सहायता से कार्यपुस्तिका में पाठ के नीचे दिए गए रिक्त स्थानों पर जानकारी लिखें। इसके लिए अंतरजाल, समाचारपत्र, ग्रंथालय, संदर्भ सामग्री की सहायता लें। उसी प्रकार अलग-अलग क्षेत्रभेंटों का आयोजन अध्यापकों द्‌वारा अपेक्षित है।

अध्ययन तथा अध्यापन

(१) प्रत्येक पाठ्‌य घटक की संक्षेप में जानकारी दी गई है। उसके आधार पर अध्यापक यह विषय समझाकर बताएँगे। उसके लिए जरूरी संदर्भ सेवा का उपयोग करें।

(२) दिए गए पाठों का अध्ययन अधिक प्रभावशाली हो इस दृष्टि से प्रकल्प में हर विद्‌यार्थी का कृतियुक्त सहभाग लें। प्रकल्प के विषयों पर चर्चा करके यह उपक्रम लिखित रूप में पूर्ण करें।

(३) सप्ताह में एक बार विद्‌यार्थियों से समाचारपत्र, मासिक पत्रिकाओं में छपे भारत की सुरक्षा विषयक समस्याओं के समाचारों पर चर्चा करके विद्‌यार्थियों को अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर दें।

(४) उपलब्ध स्थिति के अनुसार सुझाए गए क्षेत्रभेंट का आयोजन करें। उससे नेतृत्व-सहकार्य, संवाद-कौशल विकास इन गुणों का विकास होगा।

इस विषय का मूल्यांकन

(१) अलग रूप से लिखित परीक्षा नहीं है।

(२) कार्यपुस्तिका में समाविष्ट लिखित कार्य के लिए ४०% भारांश है।

(३) चर्चा, क्षेत्रभेंट, साक्षात्कार, भूमिका अभिनय के लिए ६०% भारांश है।

(४) प्राप्त गुणों का श्रेणी में रूपांतर करके विद्‌यार्थियों को श्रेणी देना है।

संरक्षण शास्त्र विषयक क्षमताः नौवीं कक्षा

यह अपेक्षा है कि नौवीं कक्षा के अंत में विद्‍यार्थियों में निम्नांकित क्षमताएँ विकसित हों ।

अ.क्र.	घटक	क्षमता
१.	❍ राष्ट्रीय सुरक्षा ❍ राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियाँ (बाह्‍य)	❍ राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय मूल्य विकसित करना । ❍ राष्ट्रीय सुरक्षा, राष्ट्रहित इन संकल्पनाओं को समझ लेना । ❍ राष्ट्रीय सुरक्षा के सामने होने वाली बाह्‍य चुनौतियों को समझ लेना । ❍ भारत तथा समीपवाले देशों से होने वाले संबंध समझ लेना । ❍ मानचित्र वाचन कौशल विकसित करना ।
२.	❍ भारतीय संरक्षण व्यवस्था ❍ भारतीय थलसेना ❍ भारतीय नौसेना ❍ भारतीय वायुसेना	❍ भारतीय सेनादल, रचना व कार्य समझना । ❍ तीनों सेना बल के शस्त्र-अस्त्र की जानकारी लेना । ❍ सेना बल के अधिकारियों के पद समझना । ❍ सुरक्षा की दृष्टि से भारतीय समुद्री तटवर्ती क्षेत्र तथा नौसेना का महत्त्व समझ लेना । ❍ राष्ट्रीय आपात्काल काल में सेना बलों का महत्त्व समझना ।
३.	❍ संरक्षण के दुय्यम संगठन ❍ पुलिस संगठन	❍ देश के सुरक्षा दुय्यम संगठन तथा उनके कार्य को समझ लेना । ❍ पुलिस बल का राष्ट्रीय सुरक्षा में योगदान का अध्ययन करना । ❍ अलग-अलग साक्षात्कारों से सुरक्षा बल के संबंध में प्रेरणा लेना ।
४.	❍ सेना में सेवा तथा अवसर	❍ सेना में सेवा के अवसर और प्रवेश प्रक्रिया समझ लेना ।

अनुक्रमणिका

अ.क्र.	पाठ का नाम	पृष्ठ संख्या
१.	राष्ट्रीय सुरक्षा	१
२.	राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियाँ (बाह्य)	७
३.	भारतीय सुरक्षा व्यवस्था	१३
४.	भारतीय थलसेना	१९
५.	भारतीय नौसेना	२६
६.	भारतीय वायुसेना	३२
७.	सुरक्षा के दुय्यम संगठन	४१
८.	पुलिस बल	४७
९.	सेना में सेवा अवसर	५१